संभाग पोस्ट

साप्ताहिक

RNI: MPHIN/2015/60688

जिलों से संभाग तक का सच

email:sambhagpost@gmail.com

वर्ष-9 | अंक-45 | प्रति मंगलवार, इंदौर, 07 अप्रैल 2026 से 13 अप्रैल 2026 | मूल्य- 2 रु. | पृष्ठ- 8

नगर पालिका खरगोन में भ्रष्टाचार का बड़ा खुलासा

ई.ओ.डब्ल्यू के रडार पर अध्यक्ष छाया जोशी

नोटिस जारी

SPECIAL REPORT

नवीन गलकर

खरगोन/इन्दौर। प्रदेश में भ्रष्टाचार के विरुद्ध जारी जीरो टॉलरेंस की नीति के बीच नगर पालिका खरगोन में भ्रष्टाचार और अनियमितताओं को लेकर आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इ.ओ.डब्ल्यू इंदौर की टीम ने खरगोन नगर पालिका अध्यक्ष छाया जोशी के खिलाफ चल रही जांच को तेज करते हुए उन्हें नोटिस जारी किया है। छाया जोशी पर भ्रष्टाचार, वित्तीय अनियमितताओं और पद के दुरुपयोग जैसे गंभीर आरोप लगे हैं।

सूत्रों के हवाले से खबर है कि भ्रष्टाचार के इस मामले में जांच एजेंसी के हाथ कई ऐसे सबूत लगे हैं, जो अध्यक्ष की मुश्किलें बढ़ा सकते हैं। सूत्रों का यह भी कहना है कि इ.ओ.डब्ल्यू केवल अध्यक्ष तक ही सीमित नहीं रहेगी। छाया जोशी को दिए गए नोटिस के बाद अब नगर पालिका के कुछ अन्य विभागीय अधिकारियों और बाबुओं पर भी गाज गिर सकती है। संभावना है की आने वाले दिनों में इ.ओ.डब्ल्यू की टीम खरगोन नगर पालिका में दबिश देकर रिकॉर्ड रूम को भी खंगाल सकती है। इ.ओ.डब्ल्यू इंदौर द्वारा जारी किए गए नोटिस के बाद नगर पालिका और खरगोन की राजनीति में हड़कंप मच गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जांच अधिकारियों के पास मौजूद साक्ष्य इतने ठोस हैं कि मामले में जल्द ही बड़ी कानूनी कार्रवाई देखने को मिल सकती है।

इस हाई-प्रोफाइल मामले में सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि क्या जांच एजेंसियां अपनी स्वतंत्रता बरकरार रख पाएंगी? अध्यक्ष का राजनीतिक रसूख काफी ऊंचा है। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि क्या जांच को किसी अदृश्य दबाव में धीमा कर दिया जाएगा? क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध यह कार्रवाई केवल कागजों तक सीमित रहेगी या दोषियों को जेल की सलाखों के पीछे भेजा जाएगा। क्या प्रशासन उन शक्तियों के आगे घुटने टेकेगा जो पर्दे के पीछे से इस रसूख के खेल को नियंत्रित करती हैं? यह देखना अब प्रदेश सरकार और जांच एजेंसी की साख का विषय बन गया है।

सुविचार

'एक दिन अपने आप पर गर्व करना है, तो आज हारी हुई बाजी जीतनी ही होगी।'

संपादकीय

आधी आबादी को पूरा अधिकार, महिला आरक्षण से बदलेगा भारतीय लोकतंत्र का चेहरा

साल 2011 की जनगणना के मुताबिक भारत की जनसंख्या में महिलाओं की आबादी 48.5इ थी। अनुमान है कि पिछले करीब डेढ़ दशक में इसमें कुछ सुधार ही हुआ होगा, लेकिन जो नहीं बदला, वह है देश की संसद और राज्य की विधानसभाओं में महिलाओं की हिस्सेदारी। नारी शक्ति वंदन अधिनियम (महिला आरक्षण) इसी स्थिति को बदलने वाला कानून है और इसके पास व लागू होने में देरी नहीं होनी चाहिए। आंकड़े बताते हैं कि राजनीति में महिलाएं महत्वपूर्ण तो रहीं, पर ज्यादातर वोट बैंक के नजरिये से। उनको उचित प्रतिधिनित्व आज भी नहीं मिल पाया है, जबकि हर क्षेत्र में समान अधिकार की बात की जाती है। मौजूदा लोकसभा में महज 14इ महिला सांसद हैं, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की विधानसभाओं में तो स्थिति और खराब है - महज 10% महिला विधायक। और जब महिलाओं को मौका ही नहीं मिलेगा, तो यह सुधरेगा कैसे। भारत ने अपनी आजादी के साथ ही महिलाओं को पुरुषों के बराबर वोटिंग का अधिकार देकर दुनिया के सामने नजीर पेश की थी, पर इसके अगले चरण - राजनीति में उनकी बराबर भागीदारी में देश पीछे रह गया। साल 1996 में एचडी देवेगौड़ा की सरकार में पहली बार महिला आरक्षण बिल लाया गया था और तब से तीन दशकों में चार असफल प्रयास हो चुके हैं। अब सरकार ने बिल पास करने के लिए 16 से 18 अप्रैल को संसद का विशेष सत्र बुलाया है। पीएम नरेंद्र मोदी ने केरल में एक चुनावी रैली में महिलाओं से विपक्षी दलों पर दबाव बनाने की अपील की, ताकि संसद में महिला आरक्षण बिल बिना किसी विरोध के पास हो सके। आदर्श स्थिति तो यह होगी कि बिल को हर दल का साथ मिले, दबाव बनाने और विरोध की नौबत ही न आए। देर से ही सही, कम से कम अब इस काम को अंजाम तक पहुंच जाना चाहिए। जब सदन में ज्यादा महिलाएं होंगी, तो आधी आबादी से जुड़े मुद्दों को ज्यादा आवाज मिलेगी। उनकी समस्याओं पर ज्यादा सटीक और संवेदनशील चर्चा हो सकेगी, जिससे नीतियां बनाने में मदद मिलेगी। महिलाओं की अनगिनत उपलब्धियों के बावजूद राजनीति उन कुछ क्षेत्रों में है, जहां उन्हें बराबर मौके नहीं मिल पाते। महिला आरक्षण बिल इस कमी को दूर करेगा। इस बदलाव का असर पूरे समाज पर पड़ेगा। महिला आरक्षण का सवाल सिर्फ सीटों का बंटवारा नहीं, भारत के लोकतंत्र को और संतुलित व न्यायपूर्ण बनाने का मुद्दा है।

एन.एस.सोलंकी जिला महामंत्री मनोनीत

बड़वाह । संभाग पोस्ट

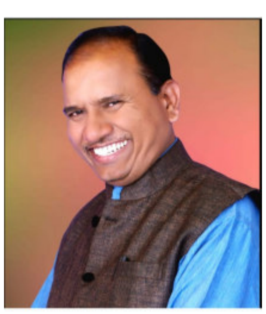

प्रधानमंत्री जन जागरण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष लक्की खत्री की अनुमति से प्रधानमंत्री जन जागरण अभियान के जिलाध्यक्ष क्रांति राठौड़ ने भाजपा नेता एन.एस.सोलंकी को जिला महामंत्री मनोनीत किया।उनके मनोनयन पर सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल, विधायक सचिन बिरला,पूर्व विधायक हितेन्द्रसिंह सोलंकी नपा अध्यक्ष राकेश गुप्ता, भाजपा नेता महिम ठाकुर, गणेश पटेल,दीपक ठाकुर नगर मंडल अध्यक्ष अंकित गुप्ता,ग्रामीण मंडल अध्यक्ष खुमान जाट,अर्जुन केवट,बीआर सांवले,मुकेश शर्मा,देवेंद्र कर्मा,विजय वर्मा,अशोक भालसे,लखन गड़गोती,प्रेमलाल अंजना,राधेश्याम मकवाने, आकाश खेड़े,अनिल शर्मा, महेश कर्मा,राजा सोलंकी सहित ईष्ट मित्रो ने हर्ष व्यक्त कर बधाई दी।

मेडिक्लेम/स्वास्थ्य बीमा से संबंधित सेवाओं पर जीएसटी पूर्णतः समाप्त किए जाने के संबंध में केंद्रीय वित्त मंत्री को पत्र

इंदौर । संभाग पोस्ट

भाजपा नेता और सांसद प्रतिनिधि जीएसटी विभाग डॉक्टर संतोष वाधवानी ने केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर मांग की है कि मेडिक्लेम एवं स्वास्थ्य बीमा योजनाओं पर जीएसटी हटाना जनहित हितैषी होगा। प्रेषित पत्र में उन्होंने कहा है कि भारत सरकार द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ एवं किफायती बनाने के लिए समय-समय पर अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। इसी क्रम में जीएसटी परिषद द्वारा सितंबर 2025 से व्यक्तिगत जीवन बीमा एवं स्वास्थ्य बीमा पॉलिसियों पर पूर्व में लागू 18% जीएसटी को शून्य (0) कर दिया गया, जिससे आम नागरिकों को बड़ी राहत प्राप्त हुई है। यह निर्णय निश्चित रूप से जनहित में अत्यंत सराहनीय है, क्योंकि इससे स्वास्थ्य बीमा योजनाएँ अधिक किफायती हुई हैं और मध्यम एवं निम्न आय वर्ग के लोगों में स्वास्थ्य बीमा लेने की प्रवृत्ति बढ़ी है,किन्तु वर्तमान व्यवस्था में अभी भी कुछ महत्वपूर्ण बिंदु ऐसे हैं जिनमें सुधार की आवश्यकता प्रतीत होती है, जैसे कि—

समूह स्वास्थ्य बीमा पर अभी भी लगभग 18% जीएसटी लागू है, जिससे नियोक्ताओं द्वारा कर्मचारियों को दी जाने वाली स्वास्थ्य सुरक्षा योजनाओं की लागत बढ़ जाती है। स्वास्थ्य क्षेत्र मूलतः एक जनकल्याणकारी सेवा है। अतः इसके अंतर्गत आने वाली बीमा सेवाओं, चिकित्सा उपकरणों, अस्पताल सेवाओं तथा संबंधित सेवाओं पर कर भार न्यूनतम या शून्य होना चाहिए। चिकित्सा सेवाओं की लागत निरंतर बढ़ रही है। ऐसे में कराधान का बोझ आम नागरिक के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा प्राप्त करने में बाधा उत्पन्न कर सकता है। यदि स्वास्थ्य बीमा पर कर पूरी तरह समाप्त किया जाता है, तो इससे अधिकाधिक नागरिक बीमा योजनाओं से जुड़ेंगे, जिससे दीर्घकाल में सरकार पर सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यय का बोझ भी कम हो सकता है।

अतः आपसे विनम्र निवेदन है कि निम्नलिखित सुझावों पर विचार करने की कृपा करें—

(1) समूह स्वास्थ्य बीमा (उदल्ज श्र्ग्म्फ्स) पर भी जीएसटी को समाप्त या न्यूनतम किया जाए।

(2) चिकित्सा सेवाओं से संबंधित आवश्यक उपकरणों, दवाओं एवं बीमा सेवाओं को 'Essential Services' की श्रेणी में रखते हुए जीएसटी से पूर्णतः मुक्त किया जाए।

(3) कर्मचारियों को प्रदान की जाने वाली स्वास्थ्य बीमा योजनाओं पर नियोक्ताओं को व्यापक Input Tax Credit (ITC) की अनुमति दी जाए।

(4) स्वास्थ्य क्षेत्र से संबंधित कर संरचना को इस प्रकार सरल बनाया जाए जिससे आम नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ सुलभ हो सकें।

डॉ संतोष वाधवानी ने पत्र में यह भी कहा है कि भारत एक कल्याणकारी राज्य है और संविधान के अनुच्छेद 21 के अंतर्गत जीवन एवं स्वास्थ्य की सुरक्षा राज्य का दायित्व है। अतः स्वास्थ्य सेवाओं एवं स्वास्थ्य बीमा को कर भार से मुक्त करना जनहित में अत्यंत आवश्यक प्रतीत होता है।आशा है कि आप इस विषय पर सकारात्मक विचार करते हुए आवश्यक कदम उठाने की कृपा करेंगी।

डॉ संतोष वाधवानी
सांसद प्रतिनिधि -जीएसटी विभाग मोबाइल नंबर
9826384585

लक्ष्य प्राप्ति हेतु संगठनात्मक नेतृत्व की अवधारणा- मैनेजमेंट फंडा

डॉ. पुनीत कुमार द्विवेदी
प्रोफेसर एवं समूह निदेशकः ऑक्सफोर्ड-इंदौर इंटरनैशनल कॉलेजेस, इंदौर; राज्य सरकार नामित सदस्यः अवंतिका विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र)

संगठनात्मक नेतृत्व का अर्थ केवल एक निश्चित दिशा में मार्गदर्शन करना नहीं है, बल्कि यह एक समग्र दृष्टिकोण है, जो न केवल लक्ष्य प्राप्ति में सहायता करता है, बल्कि संगठन की संस्कृति, कर्मचारियों की प्रेरणा और संगठन के दीर्घकालिक विकास को भी प्रभावित करता है। इस लेख में, हम लक्ष्य प्राप्ति हेतु संगठनात्मक नेतृत्व की अवधारणा को समझेंगे, जिसमें मैनेजमेंट फंडा का महत्वपूर्ण योगदान है।

संगठनात्मक नेतृत्व का महत्व

हर संगठन का मुख्य उद्देश्य अपने निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करना है। चाहे वह एक छोटा व्यवसाय हो या एक विशाल मल्टीनेशनल कंपनी, बिना उचित नेतृत्व के लक्ष्यों का पाने की संभावना सीमित होती है। प्रभावी नेतृत्व एक ऐसा वातावरण उत्पन्न करता है, जहां कर्मचारी प्रेरित होते हैं, अपनी आदर्शता को समझते हैं और अपने कार्य के प्रति वचनबद्ध रहते हैं। नेतृत्व न केवल टीम की दिशा निर्धारित करता है, बल्कि यह विश्वास और समर्पण का निर्माण भी करता है।

मैनेजमेंट फंडाः

मैनेजमेंट फंडा का अर्थ है उन सिद्धांतों और तकनीकों का समुच्चय, जो संगठन को अपनी रणनीतियों को संपूर्णता में लागू करने में सहायता करता है। यह संबंधित सभी पहलुओं, जैसे कि योजना बनाना, संगठित करना, नेतृत्व करना और नियंत्रण करना, के बीच संतुलन बनाए रखने में सहायक होता है।

योजना बनानाः लक्ष्य प्राप्ति के लिए जरूरी है कि एक स्पष्ट और व्यावहारिक योजना बनाई जाए। एक सफल नेतृत्व हमेशा भविष्य की दिशा की पहचान करता है। योजना के दौर में, संगठन के उद्देश्य को समझना आवश्यक है, ताकि प्राथमिकताओं को क्रमबद्ध किया जा सके।

संगठित करनाः एक अच्छी योजना के बाद, उसे सही तरीके से लागू करना भी उतना ही महत्वपूर्ण होता है। संगठनात्मक संरचना, टीमों का चयन, और संसाधनों का वितरण सभी इसी चरण का हिस्सा हैं। यहां पर यह ध्यान रखना चाहिए कि लोगों की क्षमता और कौशल को सही स्थान पर रखा जाए।

नेतृत्व करनाः कार्य को सही दिशा में ले जाने के लिए प्रेरणा और मार्गदर्शन आवश्यक है। एक सक्षम नेता वह होता है, जो अपनी टीम को विश्वास दिलाता है और उनके समक्ष एक सकारात्मक दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। प्रेरित कर्मचारी ही वो आधार हैं, जिन पर संगठन की सफलता टिकती है।

नियंत्रण करनाः लक्ष्यों की प्राप्ति को सुनिश्चित करने के लिए प्रगति की निगरानी करना आवश्यक है। संगठनात्मक नेतृत्व में यह एक महत्वपूर्ण तत्व है। शुरुआती चरणों में प्राप्त लक्ष्यों की समीक्षा कर, आवश्यकतानुसार समायोजन करना एक अच्छे प्रबंधन का हिस्सा होता है।

अभिप्रेरण का प्रभाव

नेतृत्व केवल दिशा दिखाने का काम नहीं करता, बल्कि यह कर्मचारियों को प्रेरित भी करता है। एक प्रेरित कार्यबल न केवल अपनी जिम्मेदारियों को निभाने के लिए तत्पर रहता है, बल्कि अपने कार्य में रचनात्मकता भी लाता है। वे नए विचारों को प्रस्तुत करने में अधिक सहज होते हैं और संगठन की सफलता में सक्रिय योगदान देते हैं।

आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में, लक्ष्य प्राप्ति हेतु संगठनात्मक नेतृत्व की क्षमता को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यह न केवल कार्यों को दिशा देने का माध्यम है, बल्कि यह संगठन की आत्मा भी है। यदि किसी संगठन में सही नेतृत्व और मजबूत मैनेजमेंट फंडा हो, तो मंजिलें केवल एक सपना नहीं रह जाती, बल्कि वास्तविकता में तब्दील हो जाती हैं।

इसलिए, यह महत्वपूर्ण है कि संगठनात्मक नेतृत्व के सिद्धांतों को सही तरीके से अपनाया जाए, ताकि सभी स्तरों पर व्यक्तियों को उनके लक्ष्यों की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया जा सके। याद रखें, आप एक नेता हैं, और आपके नेतृत्व से ही संगठन की दिशा परिभाषित होती है। आपकी प्रेरणा ही है जो आपके संगठन को सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंचा सकती है।

देवांग कोष्टी समाज की वार्षिक आमसभा सम्पन्न

कई मुद्दों पर तीखी चर्चा

■ **इंदौर । संभाग पोस्ट**

श्री देवांग कोष्टी समाज परदेशीपुरा इन्दौर की वार्षिक आमसभा रविवार को समाज की धर्मशाला परदेशीपुरा में आयोजित की गई। सभा की अध्यक्षता समाज अध्यक्ष कल्याण देवांग ने की।

आमसभा में अध्यक्ष द्वारा समाज की वर्तमान गतिविधियों, आगामी वर्ष की योजनाओं एवं आय-व्यय पत्रक की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की गई। उन्होंने समाज के विकास के लिए प्रस्तावित योजनाबद्ध कार्यक्रमों पर भी प्रकाश डाला।

उपाध्यक्ष मनोहर टैमरे ने अपने संबोधन में समाज संगठन को मजबूत बनाने पर जोर दिया। वहीं उपस्थित समाजजनों ने भी भावी विकास, सुधार और संगठनात्मक मजबूती को लेकर अपने सुझाव रखे।

सभा के दौरान कई ऐसे प्रश्न भी उठे, जिनका संतोषजनक जवाब देना कार्यकारिणी के लिए चुनौतीपूर्ण रहा। विशेष रूप से लाइट डेकोरेशन टेंडर को लेकर सदस्यों ने गंभीर सवाल खड़े किए।

जानकारी के अनुसार, पूर्व में हुए टेंडर में करीब 7 लाख रुपये का घाटा सामने आया था। इसके बाद वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 के टेंडर में भी लगभग 15 लाख रुपये की बकाया राशि वसूली को लेकर सवाल उठाए गए।

इस पर अध्यक्ष कल्याण देवांग ने स्पष्ट किया कि ठेकेदार को 3 माह की चेक सिक्योरिटी पर छूट दी गई है। उन्होंने आश्वस्त किया कि यदि निर्धारित समयावधि में बकाया राशि प्राप्त नहीं होती है, तो वे स्वयं यह राशि समाज के खाते में जमा करेंगे।

आमसभा में चुनाव प्रक्रिया को लेकर भी चर्चा हुई, जिसमें सदस्यता सूची की पारदर्शिता एवं चुनावी प्रक्रिया के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया गया। साथ ही समाजजनों को समाज की और से मिलने वाली क्या क्या सुविधाएं है उन सुविधाओं की जानकारी पत्र या ब्रोशर के माध्यम से सभी समाजजनों तक पहुंचाई जाना चाहिए और समाज की होने वाली सभाओ में सभी समाज के सदस्य एवं समाज जनों को आने का विशेष रूप से आग्रह किया गया है जिससे समाज के हर व्यक्ति की समस्या सुनी जा सके और समस्या का समाधान भी किया जा सके इन सब विषयों पर विशेष रूप से विचार विमर्श किया गया। सभा में उपस्थित महिला मंडल,वरिष्ठ पदाधिकारी, सदस्य गण आनंद खटके, नविन गलकर, विनोद निमजे, गोपाल हिडाऊ, प्रदीप कोंडला, पप्पू कनोडिया, शांतिलाल निमजे, विनय निमजे, एवं अन्य समाज जन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन प्रचार मंत्री दिलीप वर्मा द्वारा किया गया।

24 घंटे में हत्या के प्रयास के आरोपी गिरफ्तार, शमशान में छिपे थे आरोपी

■ **इंदौर । संभाग पोस्ट**

थाना विजयनगर क्षेत्र में मध्यरात्रि हुई चाकूबाजी की सनसनीखेज घटना में पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर आरोपियों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। घटना में शामिल मुख्य आरोपी सहित एक अन्य युवक एवं दो नाबालिगों को पुलिस ने अभिरक्षा में लिया है।

रात 1 बजे की वारदात, युवक पर जानलेवा हमला

प्राप्त जानकारी के अनुसार 4 अप्रैल की रात करीब 1 बजे अनिल नगर क्षेत्र में फरियादी परमिंदर अपने घर के बाहर खड़ा था, तभी दोपहिया वाहनों से आए 4-5 युवकों ने उस पर हमला कर दिया। आरोपियों में से एक ने युवक के पेट और पैर में चाकू मारकर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल को तत्काल अरबिंदो अस्पताल में भर्ती कराया गया।

सीसीटीवी और मुखबिर से खुला राज

घटना के बाद थाना विजयनगर में हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। प्रारंभ में फरियादी बेहोशी के कारण आरोपियों की पहचान नहीं बता पाया, लेकिन होश में आने के बाद उसने वंश उर्फ चीकू का नाम बताया। पुलिस ने सक्रिय मुखबिर तंत्र एवं सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मुख्य आरोपी वंश उर्फ चीकू (19 वर्ष) और उसके साथी विजय सोनगरा (18 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया।

शमशान में छिपे, भागने की फिराक में थे

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि घटना के बाद वे लसूड़िया क्षेत्र स्थित श्मशान (मुक्तिधाम) में पूरी रात छिपे रहे और अगले दिन बड़वाह भागने की योजना बना रहे थे। इसी दौरान पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों को पकड़ लिया।

भागते समय गिरे, हाथ-पैर में आई चोट

पुलिस से बचने के दौरान दोनों आरोपी सड़क किनारे गिर गए, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। मुख्य आरोपी वंश के दाहिने हाथ और पैर में तथा विजय के हाथ में चोट आई, जिनका एमवाय अस्पताल में उपचार कर पट्टियां बांधी गईं। उल्लेखनीय है कि आरोपी ने जिस हाथ से चाकू चलाया था, उसी हाथ में पट्टा बंधा हुआ है।

पुरानी रंजिश में रैकी कर दिया वारदात को अंजाम

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपियों ने पुरानी रंजिश के चलते पहले रैकी की और फिर सुनियोजित तरीके से वारदात को अंजाम दिया। घटना में 18-20 वर्ष के युवक एवं नाबालिग शामिल पाए गए हैं।

पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका

पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह, डीसीपी जोन-2 कुमार प्रतीक, अतिरिक्त डीसीपी अमरेंद्र सिंह एवं एसीपी विजयनगर पराग सैनी के निर्देशन में थाना प्रभारी चंद्रकांत पटेल के नेतृत्व में टीम ने त्वरित कार्रवाई की। इस कार्रवाई में उप निरीक्षक बलवीर सिंह रघुवंशी, अजय कुशवाह, भूपेंद्र गुर्जर सहित थाना एवं साइबर सेल की टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सविंद नगर सब्जी मंडी को लेकर विक्रेताओं का विरोध

नगर निगम के खिलाफ लगे जोरदार नारे

■ **इंदौर । संभाग पोस्ट**

इंदौर के सविंद नगर सब्जी मंडी को लेकर सोमवार को सब्जी विक्रेताओं का आक्रोश खुलकर सामने आया। वर्षों पुरानी इस मंडी को हटाने के विरोध में सभी सब्जी विक्रेताओं ने एकजुट होकर नगर निगम के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया और 'नगर निगम मुर्दाबाद' के नारे लगाए। विक्रेताओं का कहना है कि नगर निगम द्वारा कुछ दिनों पहले अचानक कार्रवाई करते हुए उनके ठेले जब्त कर लिए गए और मंडी लगने पर रोक लगा दी गई। इससे दर्जनों परिवारों की रोजी-रोटी पर संकट खड़ा हो गया है। प्रदर्शन कर रहे विक्रेताओं ने मांग की कि उनके जब्त किए गए ठेले तत्काल वापस किए जाएं और उन्हें मंडी लगाने के लिए वैकल्पिक स्थान उपलब्ध कराया जाए।

विक्रेताओं के अनुसार, सविंद नगर की यह सब्जी मंडी करीब 50 साल पुरानी है और आसपास के रहवासियों के लिए यह मंडी बेहद सुविधाजनक रही है। अचानक मंडी हटाने से जहां विक्रेताओं को नुकसान हो रहा है, वहीं क्षेत्र के रहवासियों को भी सब्जी खरीदने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

नगर निगम की ओर से सब्जी विक्रेताओं को रिंग रोड स्थित ब्रिज के नीचे वैकल्पिक स्थान देने की बात कही गई है, लेकिन विक्रेताओं का कहना है कि वह स्थान उनके लिए उपयुक्त नहीं है और वहां ग्राहकों की पहुंच भी कम रहेगी।

प्रदर्शन के दौरान विक्रेताओं ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द समाधान नहीं निकाला गया तो वे आंदोलन को और तेज करेंगे। फिलहाल इस मुद्दे को लेकर क्षेत्र में माहौल गरमाया हुआ है और सभी की नजरें नगर निगम के अगले कदम पर टिकी हुई हैं।

पद्मश्री डॉ.भक्ति यादव जन्म शताब्दी पर पुष्पांजलि

यादव समाज कोर कमेटी के आव्हान पर उमड़ा शहर

इंदौर । संभाग पोस्ट

भाजपा नगर मंत्री और यादव समाज कोर कमेटी अध्यक्ष गुलशन यादव के नेतृत्व में शहर की मातृशक्ति, प्रसिद्ध महिला गायनेकोलॉजिस्ट डॉक्टर पद्मश्री डॉ.भक्ति यादव के निर्माणाधीन प्रतिमा स्थल राजीव आवास विहार चौराहे पर 'एक पुष्प शहर की मातृ शक्ति डॉ.भक्ति यादव के नाम – पुष्पांजलि कार्यक्रम' उनके सुपुत्र डॉ.रमन यादव, पोती ऐश्वर्या यादव, पड़पोती यश्वी यादव और परिवार के सानिध्य में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चिकित्सा जगत के प्रमुख स्तंभ एवं प्रदेश भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ.निशांत खरे (प्रदेश उपाध्यक्ष, भाजपा), वरिष्ठ अतिथि डॉ.अशोक यादव (एमवाय अस्पताल अधीक्षक) एवं विशेष अतिथिगण डॉ.आरडी यादव, (पूर्व महाप्रबंधक : एसबीआई बैंक,मप्र), इंजी. पुरुषोत्तम यादव,संजय चौधरी (पार्षद),जितेंद्र बुंदेला (पूर्व पार्षद), डॉ.आरसी यादव(प्रबंधकः इंडेक्स कॉलेज), प्रकाश हिंदुस्तानी (सहारा चैनल वरिष्ठ पत्रकार) उपस्थित रहे।तन, मन और समर्पण के भाव के साथ राजीव आवास विहार चौराहा पर स्थित पद्मश्री डॉ. भक्ति यादव के प्रतिमा स्थल पर सुबह 'एक पुष्प डा. भक्ति माँ के नाम' कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्य अतिथि भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष डा. निशांत खरे ने दीप प्रज्ज्वलन कर पुष्पांजलि कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में यादव समाज कोर कमेटी विधानसभा–2 के प्रभारी गौरव यादव,रामकिशोर यादव,लक्ष्मण यादव, देवीसिंह यादव, शिवमूर्ति यादव और उनकी टीम ने सभी अतिथियों का अंगवस्त्र पहना के स्वागत किया। इस अवसर पर हुई सभा में सभी अतिथियों ने पद्मश्री डॉ. भक्ति यादव जी के जीवन काल से जुड़े हुए सेवा कार्यों के विभिन्न संस्मरणों की मंच से चर्चा कर उनका पुण्य स्मरण किया। अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि डॉ.निशांत खरे ने कहा कि जो निःस्वार्थ सेवा कार्य डॉ. भक्ति यादव ने किया, वह एक मिसाल है,वह आज के दौर में हर किसी के बस में नहीं है। उनकी सेवाभाव की इस मिसाल को आज हर कोई नमन कर रहा है। विशेष अतिथि एमवाय अस्पताल के अधीक्षक डॉ. अशोक यादव ने पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कहा कि पद्मश्री डा. भक्ति यादव ने मालवा प्रांत ही नहीं पूरे देशभर में मातृशक्तियों की रिकॉर्ड प्रसूति में ख्याति अर्जित की है वह युगों तक सबके स्मृति पटल पर अंकित रहेगी।यादव समाज कोर कमेटी के मार्गदर्शक डा. आरडी यादव एवं इंजी. पुरुषोत्तम यादव ने डा.भक्ति यादव द्वारा 1 लाख से अधिक सामान्य प्रसूति कर पद्मश्री प्राप्त करने वाली डा. दीदी का पुण्य स्मरण किया और श्रद्धा सुमन अर्पित किये। कमेटी के अध्यक्ष गुलशन यादव ने कहा है कि पद्मश्री डा. भक्ति यादव की शीघ्र ही प्रतिमा भी लगने वाली है, जो शहरवासियों के साथ चिकित्सा जगत में प्रेरणापुंज का केंद्र होगी। पद्मश्री डॉ.भक्ति यादव के सुपुत्र डॉ.रमन यादव ने डॉ.भक्ति यादव जी के उल्लेखनीय कार्यों की जानकारी देते हुए उपस्थित सभी अतिथियों का परिवार की ओर से आभार व्यक्त किया। सभा के पश्चात अतिथियों द्वारा 11 किलो का मावा केक परिवारजनों के साथ काट कर पद्मश्री डॉ.भक्ति यादवजी का 100वाँ जन्मदिन मनाया गया। इस अवसर पर जगन्नाथ यादव,उपाध्यक्ष वीरसिंह यादव, सचिव चैनसिंह यादव, संगठन मंत्री अमरसिंह यादव, सांस्कृतिक सचिव लखन यादव, विधि प्रभारी शिवमूरत यादव, मीडिया प्रवक्ता राजेश यादव, डॉ.चंद्रजीत यादव,अशोक यादव ठेकेदार, क्षेत्रीय प्रभारी राजेश यादव(खेल प्रकोष्ठ),नितिन यादव,तपन यादव(राऊ), डॉ.पंकज यादव, डॉ.राजेश यादव,अखिलेश यादव, गिरीश वर्मा,उमेश यादव, मनोज यादव,संगीता यादव,अंजना यादवआदि उपस्थित हुए। कार्यक्रम का संचालन वीरसिंह यादव ने किया, आभार राजेश यादव पत्रकार ने व्यक्त किया।

इंदौर में शादी समारोह में लिफ्ट टूटी दस से ज्यादा लोग हुए घायल

इंदौर । संभाग पोस्ट

इंदौर के चंदन नगर क्षेत्र में एक कारखाना परिसर में चल रहे शादी समारोह के दौरान लिफ्ट की रस्सी टूटने से बड़ा हादसा हो गया। लिफ्ट में सवार दस से अधिक लोग घायल हो गए। हादसे का कारण लिफ्ट का ओवरलोड होना बताया जा रहा है। सभी घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें माहिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं।

जानकारी के अनुसार, बांक इलाके में मोहम्मद शरीफ के भाई मोहम्मद खलील की बेटी आयशा की शादी परिवार के कारखाना परिसर में आयोजित की गई थी। कुछ मेहमानों को कारखाने में बने कमरों में ठहराया गया था। दुल्हन आयशा दूसरी मंजिल के एक कमरे में थी।

दुल्हन से मिलने कुछ महिला रिश्तेदार दूसरी मंजिल पर गई थीं। लौटते समय लिफ्ट में दस से अधिक लोग सवार हो गए। अधिक भार होने के कारण लिफ्ट की रस्सी टूट गई और लिफ्ट दूसरी मंजिल से गिरकर भूतल पर आ गिरी। हादसे के बाद शादी समारोह में अफरा-तफरी मच गई। लिफ्ट में फंसे घायलों को परिजनों ने बाहर निकाला और पास के अस्पतालों में पहुंचाया। अधिकांश लोगों को मामूली चोटें आई हैं।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। शुरुआती जांच में लापरवाही भी सामने आई है। बताया जा रहा है कि कारखाने में लगी लिफ्ट माल ढोने के लिए निर्धारित थी, लेकिन उसका उपयोग लोगों को ले जाने के लिए किया जा रहा था। पुलिस ने घायलों के बयान दर्ज किए हैं। पहले परिजनों ने हादसे का कारण स्पष्ट नहीं बताया, लेकिन जब अस्पताल प्रबंधन ने एक साथ इतने लोगों के घायल होने पर सवाल किया, तब लिफ्ट गिरने की बात सामने आई। इसके बाद अस्पताल प्रबंधन ने पुलिस को सूचना दी।

देवगुराड़िया के पास सड़क हादसे में

चार की मौत आठ घायल

इंदौर । संभाग पोस्ट

इंदौर के देवगुराड़िया मार्ग पर रविवार रात ढाई बजे के करीब सड़क हादसे में चार लोगों की जान चली गई। मिनी ट्रक और वैन की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि गाड़ी में सवार लोग सड़क पर आ गिरे तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक की मौत उपचार के दौरान अस्पताल में हुई। घटना में आठ लोग घायल हुए हैं। जिन्हें उपचार के लिए अस्पतालों में भर्ती किया गया है।

मृतकों की पहचान इरफान, आशिर और फरहान व एक अन्य रुप में हुई है। मृतक व घायल सदर बाजार निवासी है। वाहन में बाराती सवार थे। आष्टा से शादी के बाद वे इंदौर की तरफ लौट रहे थे और मिनी ट्रक सामने की दिशा से आ रहा था। घटना की जानकारी मिलने के बाद घायलों के रिश्तेदार एमवाय अस्पताल पहुंचे। कुछ लोग मौके पर भी पहुंच गए थे।

आक्रोशित लोगों ने चक्काजाम कर दिया

इस मार्ग पर आए दिन सड़क हादसे होते हैं। इस कारण आक्रोशित लोगों ने चक्काजाम भी कर दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पुलिस पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल पहुंचाया। ग्रामीणों ने बताया कि मिनी ट्रक की स्पीड काफी तेज थी। उसने सामने से आ रही वैन को टक्कर मार दी।

वैन में दस से ज्यादा लोग सवार थे

मिली जानकारी के अनुसार हादसे का शिकार हुई वैन में दस से ज्यादा लोग सवार थे। वाहन का आगे का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। गाड़ी चला रहे ड्राइवर समेत चार लोगों की इस हादसे में मौत हुई है। घटना के बाद मिनी ट्रक के चालक ने भागने की कोशिश की, लेकिन ग्रामीणों ने उसे पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। बाद में पुलिस ने चक्काजाम कर रहे लोगों को सड़क से हटाकर ट्रैफिक बहाल कराया।

इंदौर पुलिस महकमे में बड़ा फेरबदल भंवरकुआं, अन्नपूर्णा और सदर बाजार थाने को मिले

आदेश

प्रशासनिक दृष्टि से निम्नांकित निरीक्षकों को अस्थाई रूप से आगामी आदेश तक उनके नाम के समक्ष अंकित स्थान में पदस्थ किया जाता है :–

क.	पद	नाम	वर्तमान तैनाती	नवीन तैनाती
1	निरीक्षक	श्री अजय नायर	थाना अन्नपूर्णा	अपराध शाखा
2	निरीक्षक	श्री संतोष दूधी	रक्षित केन्द्र	थाना भंवरकुआ
3	निरीक्षक	श्री राजकुमार यादव	थाना भंवरकुंआ	अपराध शाखा
4	कार्य. निरीक्षक	श्री पी.एल. शर्मा	अपराध शाखा	थाना सदर बाजार
5	कार्य. निरीक्षक	श्री हित गोपाल यादव	रक्षित केन्द्र	थाना अन्नपूर्णा
6	कार्य. निरीक्षक	श्री यशवंत बडोले	थाना सदर बाजार	अपराध शाखा

(प्रकाश परिहार)
पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय)

इंदौर । संभाग पोस्ट

रविवार को इंदौर पुलिस महकमे में बड़ा फेरबदल किया गया। डीसीपी मुख्यालय के आदेश के तहत शहर के तीन प्रमुख थानों पर नए टीआई की पदस्थापना की गई। तीनों थाने के वर्त्तमान प्रभारियों को क्राइम ब्रांच भेज दिया गया है। पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर अन्नपूर्णा, भवरकुआं और सदर बाजार थाने के टीआई बदले गए है। भवरकुआं थाने की जिम्मेदारी अब संतोष दूधी को दी गई है। बेहद ही संवेदनशील और छात्र बाहुल इलाके में दूधी की नियुक्ति बेहद ही अहम मानी जा रही है। हित गोपाल यादव को अन्नपूर्णा थाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। हालांकि वो भवरकुआं थाने के लिए प्रयासरत थे लेकिन उन्हें अन्नपूर्णा थाने की कमान दे दी गई है। इन दोनों के साथ ही पीएल शर्मा को सदर बाजार थाने की जिम्मेदारी मिली है। शर्मा को इसके पहले हीरानगर थाने से हटाकर क्राइम ब्रांच भेज दिया था जिसके बाद से ही वो नई पोस्टिंग की प्रतीक्षा में थे। सदर बाजार से यशवंत बड़ोले, अन्नपूर्णा से अजय नायर और भंवरकुआं से राजकुमार यादव को क्राइम ब्रांच भेज दिया गया है। जानकारी के अनुसार, इन तीनों प्रभारियों का जनता से संवाद बेहद ही कम था जिसकी वजह से इन तीनों को क्राइम ब्रांच भेजना पड़ा।

एमआर-10 के पास कृष्णबाग कॉलोनी पर चलेगा बुलडोजर, 71 मकान होंगे जमींदोज

कोर्ट के आदेश के बाद जिला प्रशासन की तैयारी पूरी, इसी सप्ताह हो सकती है कार्रवाई

इंदौर । संभाग पोस्ट

इंदौर के एमआर-10 से लगी न्याय नगर संस्था की जमीन पर बसी अवैध कृष्णबाग कॉलोनी में बड़ा प्रशासनिक एक्शन होने जा रहा है। जिला प्रशासन ने यहां बने 71 मकानों को तोड़ने की पूरी तैयारी कर ली है और संभावना है कि इसी सप्ताह कार्रवाई शुरू हो जाएगी।यह मामला पिछले करीब 5 साल से कोर्ट में चल रहा था। हाई कोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक रहवासियों को राहत नहीं मिली, जिसके बाद अब प्रशासन को जमीन खाली कराने के आदेश मिले हैं। इससे पहले जुलाई 2024 में भी यहां 15 से ज्यादा मकानों को तोड़ा गया था, जिस दौरान लोगों ने विरोध भी किया था। प्रशासन ने कॉलोनी में कई दिनों से मकानों पर निशान लगाकर नोटिस जारी कर दिए हैं और रहवासियों को 10 दिन का समय दिया गया था। अधिकारियों के अनुसार, यदि लोग खुद मकान नहीं हटाते हैं तो बलपूर्वक कार्रवाई की जाएगी।इस कॉलोनी में रहने वाले कई परिवारों की कहानी दर्दनाक है। किसी ने कर्ज लेकर प्लॉट खरीदा, तो कोई ब्रोकर के झांसे में आकर यहां बस गया। कई लोगों का कहना है कि उन्हें जमीन को लेकर सही जानकारी नहीं दी गई थी।पूरा मामला श्रीराम बिल्डर्स की याचिका से जुड़ा है, जिसमें कोर्ट ने अवैध कब्जा हटाने के आदेश दिए थे। अब कोर्ट में जवाब पेश करने से पहले प्रशासन तेजी से कार्रवाई की तैयारी में है।

संभाग पोस्ट सामाजिक दृढ़ता संकल्प अभियान

अब आपकी आवाज होगी बुलंद लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के संग

आज के समाज में हम देख रहे हैं की शहरी परिवेश की बात करें या ग्रामीण परिवेश की आज के परिवेश में व्यक्ति अकेला पड़ता जा रहा है। आधुनिक तकनीकियों का इस्तेमाल करते-करते अपने आप को अकेला महसूस करता है , जब उसके ऊपर ऐसी कोई विपत्ति आती है की जब उसके परिवारजन या मित्र बंधु उसका साथ दे। तब वह पता है कि वह अकेला खड़ा है। यह आज के समाज का सत्य है। यह भारत के ७० प्रतिशत लोगों की सच्चाई है वह किसी भी प्रकार की समस्या में हो चाहे पारिवारिक या मानसिक, सामाजिक, प्रशासनिक या चिकित्सकीय हो ऐसी किसी भी समस्या में वह पाता है कि वह अकेला है। और यदि ऐसे मे किसी मोड़ पर कुछ व्यवधान उत्पन्न हो तब वह नीरस हो जाता है, और किसी न किसी प्रकार की गलती कर बैठता है । समाज की ऐसी सबसे बड़ी समस्या को लेकर हमने सामाजिक दृढ़ता संकल्प का अभियान चलाया है जिसके तहत हम उन सभी ऐसे लोगों के साथ खड़े हुए हैं जो हमसे जुड़ेंगे तथा वे लोग जो हमसे किसी न किसी प्रकार से जुड़े हुए हैं , हमारा प्रयास यह होगा कि ऐसी किसी भी समस्या में हम उनके साथ खड़े हो जिस जगह पर वह सही है और उन्हें व्यवधान,समस्या का सामना करना पड़ रहा है, ऐसी स्थिति में संभाग पोस्ट परिवार उनके साथ खड़ा है।

- समाज में एक कहावत प्रचलित है सत्य परेशान हो सकता है। पराजित नहीं हो सकता,
- ईश्वर की इसी प्रेरणा को हमारे मीडिया चैनल हमारे अखबार ने आत्मसात किया है और हम उन सभी समाज जनों के साथ खड़े हैं जिनके साथ सत्य है।
- ईश्वर सत्य का साथ देने वाले उनके अनुयायियों की सहायता करने स्वयं नहीं आते किंतु किसी न किसी माध्यम से सत्य का साथ दे रहे व्यक्ति की सहायता जरूर करते हैं।
- हम अपने आप को धन्य समझते हैं कि हमने यह मुहिम चलाई है जिसके तहत यदि आपके साथ सत्य है तो हम आपके साथ सदा खड़े हुए हैं
- हमारे चैनल और हमारे अखबार से जुड़े हुए सभी सदस्य गण जिनकी किसी भी प्रकार की परेशानी अब उनकी नहीं वह हमारी है।
- जब समाज दृढ़ होगा, सत्य की विजय होगी जब एकता और समान व्यवहार और ज्ञान होगा तब हमारा समाज एक नए भारत का दृढ़ निश्चय भारत का निर्माण कर पाएगा
- यदि आपका काम, स्वयं आप और आपका विचार, सत्य के साथ है तो वह आपका नहीं अपितु वह हमारा विचार होगा , क्योंकि आप भारत के चौथे स्तंभ मीडिया के साथ है
- अब आम आदमी की आवाज आम आदमी की नहीं अपितु उसके साथ हमारी भी आवाज होगी इसलिए आपसे निवेदन है कि हमारे साथ शीघ्र से शीघ्र जुड़े और अपनी आवाज को एक नया आयाम दें और अपने समाज को अपने परिवार को और अपने देश को सशक्त बनाएं
- हमारे साथ जुड़ने के लिए आपको कोई नया प्रयास नहीं करना केवल सामाजिक दृढ़ता संकल्प संभाग पोस्ट अभियान का एक फॉर्म भरना है

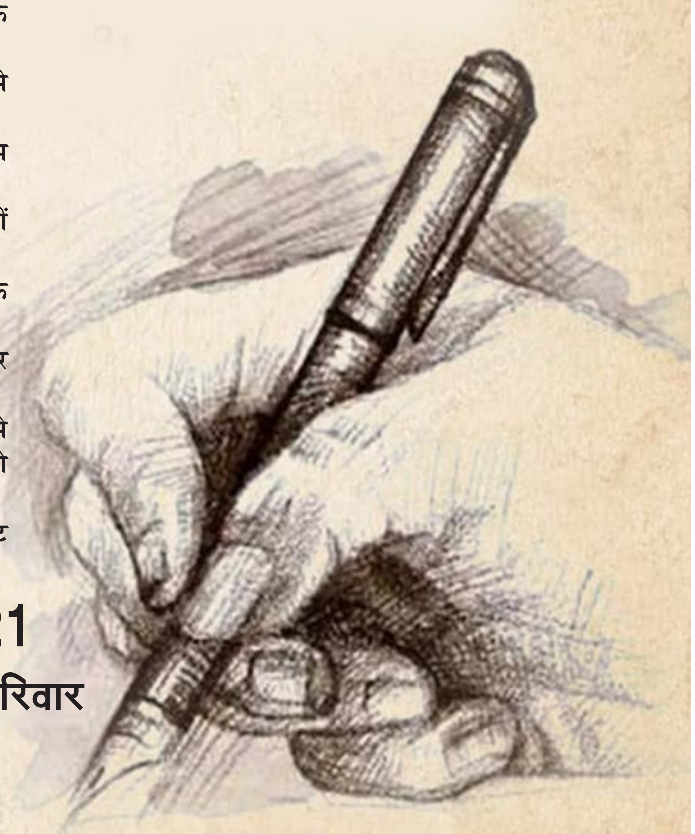

विचार न कीजिए तुरंत संपर्क करें: 9755648321

क्योंकि दृढ़ होगा समाज तो सशक्त होगा भारत और खुशहाल होगा हमारा परिवार

सत्यम,शिवम्,सुंदरम। सत्यमेव जयते

भारत माता की जय वंदे मातरम

कलयुगी बेटे ने मां की कुल्हाड़ी से की हत्या,क्षेत्र में सनसनी

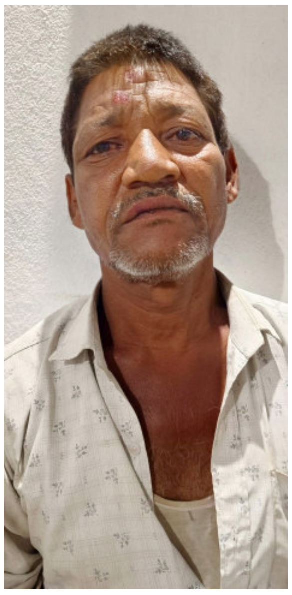

■ खरगोन/भीकनगांव।
संभाग पोस्ट

जिले के भीकनगांव थाना क्षेत्र से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक बेटे ने नशे की हालत में अपनी ही बुजुर्ग मां की निर्ममता से हत्या कर दी। घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी और दहशत का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, आरोपी विष्णु सांवले (55 वर्ष) ने अपनी 80 वर्षीय मां रामई बाई पर धारदार कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि आरोपी ने मां की गर्दन पर 4-5 वार किए, जिससे उनकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

बिस्तर पर थी मां, देखभाल से परेशान था आरोपी

सूत्रों के मुताबिक, मृतका पिछले कई वर्षों से बीमार होकर बिस्तर पर थी और उसकी देखभाल की जिम्मेदारी बेटे पर थी। बताया जा रहा है कि इसी बात से मानसिक रूप से परेशान आरोपी, जो शराब का आदी है, ने गुस्से में आकर यह खौफनाक कदम उठा लिया।

घटना के वक्त घर में अकेली थी महिला

वारदात के समय बुजुर्ग महिला घर में अकेली थी, जिसका फायदा उठाकर आरोपी ने घटना को अंजाम दिया।

पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में ले लिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है और पूरे प्रकरण की गंभीरता से जांच की जा रही है।

क्षेत्र में दहशत, लोगों में आक्रोश

इस हृदयविदारक घटना के बाद क्षेत्र में भय और आक्रोश का माहौल है। स्थानीय लोग घटना को लेकर स्तब्ध हैं और आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

डॉ. अर्पण जैन वर्ल्ड रिकॉर्ड ऑफ़ एक्सीलेन्स द्वारा सम्मानित

■ इंदौर । नगर प्रतिनिधि

हिन्दी भाषा के प्रचार के लिए निरंतर सक्रियता से कार्यरत मातृभाषा उन्नयन संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अर्पण जैन 'अविचल' को वैश्विक संस्था वर्ल्ड रिकॉर्ड ऑफ़ एक्सीलेन्स द्वारा शनिवार को होटल शेरेटन ग्रेंड में सम्मानित किया गया। इस मौके पर फ़िल्म अभिनेता कमल घिमिरेय, राजस्थान के लोक गायक मोती खान, समाजसेवी देवराज परमार, अनिल जेठवानी व संजय पंजवानी का आतिथ्य रहा। डॉ. अर्पण जैन विगत एक दशक से लगातार हिन्दी भाषा के प्रचार, प्रसार और विस्तार के लिए देश के सर्वाधिक सक्रिय हिन्दी आन्दोलन का संचालन कर रहे हैं और संस्थान के प्रयासों से अब तक 35 लाख से अधिक लोगों ने अपने हस्ताक्षर अन्य भाषा से हिन्दी में परिवर्तित किए हैं। डॉ. अर्पण जैन कुल 15 पुस्तकों का लेखन कर चुके है और देश के विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में उनका लेखन प्रकाशित होता रहता है। डॉ. अर्पण जैन के सम्मान पर संस्थान के पदाधिकारियों व अन्य हिन्दी योद्धाओं ने बधाई प्रेषित कर अभिवादन किया।

संस्था जय गोपाला ने निकाली विशाल हनुमान रथ यात्रा, जयकारों से गूंजा शहर

■ इंदौर । नगर प्रतिनिधि

इंदौर। भगवान श्रीराम के परम भक्त और अंजनी पुत्र हनुमान जी के जन्मोत्सव के पावन अवसर पर संस्था जय गोपाला द्वारा शहर में भव्य हनुमान रथ यात्रा निकाली गई। यह यात्रा जय गोपाला चौराहा (मौनी बाबा आश्रम, नरवल) से प्रारंभ होकर मरीमाता चौराहा तक धूमधाम और भक्तिभाव के साथ निकाली गई।रथ यात्रा में भगवान श्रीराम दरबार, भोलेनाथ और हनुमान जी की आकर्षक झांकियों ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। पूरे मार्ग में जय श्रीराम और जय बजरंगबली के जयकारों से वातावरण गूंज उठा। जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर रथ यात्रा का भव्य स्वागत किया, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया।इस अवसर पर संत श्री बालक दास जी महाराज, भाजपा नेता मोहन सेंगर, विधायक गोलू शुक्ला, पूर्व विधायक सुधर्शन गुप्ता, पार्षद जवाहर यादव, पूर्व पार्षद भंवर चौहान, पार्षद संध्या राधा किशन जायसवाल, पार्षद शिवम केके यादव, हाईकोर्ट बार अध्यक्ष मनीष यादव, एडवोकेट सुनील गुप्ता (पूर्व अध्यक्ष बार एसोसिएशन), अखिल भारतीय यादव महासभा के पूर्व प्रदेश महासचिव एवं सत्यशोधक समाज अंतरराष्ट्रीय के प्रदेश अध्यक्ष सतीश यादव 'काका', एडवोकेट जितेंद यादव, श्याम यादव, सुनील यादव सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।संस्था जय गोपाला के नेतृत्व में शाम 6 बजे प्रारंभ हुई यह रथ यात्रा देर रात मरीमाता चौराहा पहुंचकर सम्पन्न हुई। आयोजन में अनुशासन और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला।

APPLIED FORENSIC SCIENCE LABORATORY
Email: afslindore23@gmail.com Mobile No: +91 9366381689 +91 9977649317
SERVICES
• Handwriting Examination.
• Signature Examination.
• Fingerprint Examination.
• Deleted Data Recovery from Mobile Phones, Hard Drive.
• Laptop, Desktop Computer, Pen drive.
• Complete Examination of Digital Instrument i.e. Mobile.
• phones, Laptop, Desktop Computers, in case of Hacking.
• Voice Analysis and Voice Comparison.
• Examination of Alteration in any Documents.
• Examination of Erased Writing.
• Examination of Audio Clips and Video Clips.
• Preparation of Fingerprint Records for Corporate Offices.
• Examination of Arson Cases.
• DNA Examination for Paternity and Maternity.
• Forensic Consultancy.
• Forensic Investigation of Insurance Claims.
• Property Investigation.
• Crime Scene Investigation.
• Audio Transcription.
FORENSIC EXPERT
Rakesh Mia
+91 93663 81689
Vijay Panchal
+91 9977649317
Head Office
Applied Forensic Science Laboratory
8/1, 2nd foor, Moti Tabela, Near
Collectorate Office, Indore, MP, 452007
Branch Office
Chandra Forensic Science
lab
Chandigarh/New Delhi

राहुल जनरल स्टोर्स
शॉप नं. 3 मालवा मिल चौराहा, इंदौर
मो. 9977732802

डिजिटल साक्ष्य अब बनेंगे मजबूत कानूनी हथियार, इंदौर में '63 BSA' सर्टिफिकेट सुविधा शुरू

मोबाइल-लैपटॉप से डिलीट डेटा भी अब कोर्ट में मान्य सबूत

इंदौर । संभाग पोस्ट

शहर में अब डिजिटल साक्ष्यों को अदालत में पेश करना और उन्हें कानूनी मान्यता दिलाना पहले की तुलना में कहीं अधिक आसान हो गया है। AFSL Services India LLP ने इंदौर में नए भारतीय साक्ष्य कानून के तहत '63 BSA' सर्टिफिकेट जारी करने की सुविधा शुरू कर दी है। कानूनी विशेषज्ञों के मुताबिक, पहले डिजिटल साक्ष्यों के लिए उपयोग में आने वाला Section 65B of Indian Evidence Act अब नए कानून Bharatiya Sakshya Adhiniyam के तहत धारा 63(4)(c) के रूप में लागू किया गया है।

क्यों जरूरी है '63 BSA' सर्टिफिकेट?

डिजिटल युग में मोबाइल चैट, ऑडियो, वीडियो या ईमेल जैसे साक्ष्य आम हो चुके हैं, लेकिन अदालत में इन्हें मान्यता तभी मिलती है जब इनके साथ प्रमाणिकता का सर्टिफिकेट हो। यह सर्टिफिकेट यह सुनिश्चित करता है कि प्रस्तुत डेटा के साथ किसी प्रकार की छेड़छाड़ (टेम्परिंग) नहीं हुई है और वह मूल स्वरूप में सुरक्षित है।

क्या होंगे इसके बड़े फायदे?

डिलीट डेटा भी बनेगा सबूत

अब मोबाइल, लैपटॉप, हार्ड ड्राइव या पेन ड्राइव से डिलीट हुए फोटो, वीडियो और चैट्स को रिकवर कर अदालत में पेश किया जा सकेगा।

वैज्ञानिक जांच को मिलेगा बढ़ावा

सीसीटीवी फुटेज, ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग और ईमेल की फोरेंसिक जांच कर उनकी सत्यता प्रमाणित की जाएगी।

कोर्ट में एक्सपर्ट की मौजूदगी

क्रॉस-एग्जामिनेशन के दौरान फोरेंसिक विशेषज्ञ स्वयं अदालत में उपस्थित रहकर साक्ष्य की वैधता सिद्ध करेंगे।

छेड़छाड़ पर पूरी रोक

डेटा की प्रामाणिकता बनाए रखने के लिए एडवांस तकनीक का उपयोग किया जाएगा, जिससे किसी भी तरह की टेम्परिंग की संभावना खत्म होगी।

एक ही जगह मिलेंगी कई फोरेंसिक सेवाएं

यह सुविधा केवल डिजिटल साक्ष्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि संस्थान में अन्य महत्वपूर्ण जांच सेवाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं:

हैंडराइटिंग एनालिसिस: हस्ताक्षर और लिखावट की वैज्ञानिक जांच

क्राइम इन्वेस्टिगेशन: फिंगरप्रिंट, वॉयस एनालिसिस और आगजनी मामलों की जांच

साइबर सिक्योरिटी: साइबर क्राइम और इंश्योरेंस फ्रॉड का खुलासा

कानूनी प्रक्रिया में आएगी पारदर्शिता और तेजी

विशेषज्ञों का मानना है कि इस नई सुविधा से डिजिटल साक्ष्यों की स्वीकार्यता बढ़ेगी, जिससे न्यायिक प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, विश्वसनीय और तेज होगी।

AFSL SERVICES INDIA LLP
Registered Under Ministry of Corporate Affairs & MSME, Govt of India
An ISO 9001: 2015 Certified Forensic Science Laboratory, LLPIN: ACN-6724

FORENSIC SCIENCE SERVICES

Scientific Assistance Towards Justice
- Crime Scene Investigation
- Handwriting, Signature & Documents Examination
- Fingerprint Examination
- Audio & Video Examination
- Voice Examination
- Computer/Cyber Crime Investigation
- Fire & Arson Investigation
- Insurance Fraud Investigation
- 65B IEA Certificate [63(4)(c) BSA]
- Cross Examination of forensic experts and reports
- Forensic Training & Internship
- Medicolegal Consultancy
- Photography Examination
- Forensic Consultancy.

www.appliedforensicresearchsciences.in

एप्लाइड फॉरेंसिक साइंस लैबोरेटरी
फॉरेंसिक साइंस सेवाएं

आपके शहर इंदौर में फोरेंसिक साइंस से संबंधित सेवाएं उपलब्ध हैं विवादास्मक हस्तलेख परीक्षण, विवादास्मक हस्ताक्षर परीक्षण, विवादास्मक फिंगरप्रिंट परीक्षण, मोबाइल फोन, हार्ड ड्राइव, लैपटॉप, डेस्कटॉप कंप्यूटर, पेन ड्राइव से डिलीट किया गया डेटा रिकवरी, हैकिंग के मामले में डिजिटल उपकरण यानी मोबाइल फोन, लैपटॉप, डेस्कटॉप कंप्यूटर, की पूरी जांच, आवाज का विश्लेषण और आवाज की तुलना, दस्तावेजों में जलसादी की जांच, दस्तावेजों में छेड़खानी की जांच, ऑडियो और वीडियो क्लिप की जांच, अपराध स्थल की जांच, आगजनी मामले की जांच, फोरेंसिक परामर्श, डिजिटल साक्ष्य के लिए भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 65B [63(4) (C)] के अंतर्गत प्रमाणपत्र, फॉरेंसिक विशेषज्ञों और उनकी रिपोर्टों का जिरह (क्रॉस-एग्जामिनेशन), फॉरेंसिक विज्ञान प्रशिक्षण एवं इंटर्नशिप कार्यक्रम, आदि

मोबाइल नंबर +91 93663 81689, +91 9977649317
पता : 202, द्वितीय तल 8/1, मोती तबेला कलेक्टर कार्यालय के पास इंदौर मध्य प्रदेश

मानवता जिंदा है... अज्ञात बुजुर्ग को मिला सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार

इंदौर । संभाग पोस्ट

उज्जैन के जीआरपी थाने से रेफर होकर इंदौर स्थित एमवाय अस्पताल में भर्ती कराए गए करीब 65 वर्षीय अज्ञात बुजुर्ग की इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। बुजुर्ग के परिजनों की कोई जानकारी नहीं मिलने पर शहर की सामाजिक संस्था श्री एकाक्ष सामाजिक सेवा संस्था के नरेंद्र वर्मा, सुनील ठाकुर,सन्नी जैसवाल, कृष्णा सोनी रामगोपाल श्रीवास्तव ने मानवता का परिचय देते हुए उनका अंतिम संस्कार पूरे विधि-विधान से कराया। संस्था के सदस्यों ने बुजुर्ग के पार्थिव शरीर को जूनी इंदौर मुक्तिधाम ले जाकर धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ अंतिम संस्कार संपन्न किया। संस्था द्वारा निरंतर लावारिस और असहाय लोगों के अंतिम संस्कार कर समाज में सेवा, संवेदना और मानवता की मिसाल पेश की जा रही है।

श्री रवि इत्र सुगन्ध भण्डार
गुलाब, मोगरा, चन्दन, परफ्यूम इत्यादि के थोक एवं खेरची विक्रेता
प्रोपायटर : रवि सुगन्धी
मो. 9452665448
पता: हीरानगर, मेनरोड, सुखलिया, मिलन गार्डन के पास, इन्दौर

डॉ. हिमांशु केलकर
एम.डी., डी.सी.एच.
नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ
मो. 9202238451
क्लिनिक: 20 जी/एच., गीतांजलि अपार्टमेन्ट, मार्केट रोड, विजय नगर
स्कीम नं. 54, इंदौर (म.प्र.) Email : himanshukelkar@rediffmail.com
समय : प्रातः 10.30 से 1.30 बजे, सायं 5.30 से 8.30 बजे तक
निवास : 7-बी, शालीमार टाउनशिप, ए.बी. रोड, इंदौर

चेतन टेलर्स
(सूट स्पेशलिस्ट)
सुनिल खटके
मो. 9893118079
30/1.परदेशीपुरा, शिवधाम के सामने, इंदौर

RAVI S. SAHU
Managing Director
+91-98260-77714
स्वाद का जादू-जागे घर घर...
रवि®
मसाले बस चुटकी भर...
मसाले एवं पापड़
RAVI HOME INDUSTRIES
12, Nirmal Nagar, Piplyahana, Indore - 452 001, Ph. : 0731-2490449
Web : www.ravihomeind.com | E-mail : ravisahurhi@gmail.com

॥ श्री गणेश ॥ ॥ जय माँ भगवती ॥
सेवक राम केवट (छोटू उस्ताद)
मो. 9826012658, 9131711406
माँ नर्मदा केटरर्स
107, नार्थ मुसाखेड़ी, अजयबाग कॉलोनी, इन्दौर
शादी, पार्टी, पिकनिक, जन्मदिन पर कच्ची एवं पक्की रसोई की सम्पूर्ण व्यवस्था हेतु सम्पर्क करें।

अनुप यादव 9617246247
अमन यादव 7773007307 8770131488
सावित्री हार्डवेयर
सेनेटरी एण्ड पेन्ट्स
ASTRAL PIPES
92 हीरा नगर MR-10 मेन रोड, इन्दौर (म.प्र.)

त्रिगुण दास बौरासी
कुलदीप बौरासी
मो. 9405852932
लक्ष्मी आप्टीशियन
सभी प्रकार के नजर व धूप के चश्मे बनाए जाते हैं
फोन : 0731-2545493
352/2, पाटनीपुरा (भेरु मंदिर के पीछे) प्रिंस टेलर के बीच वाली गली में, इंदौर

एस.डी.एम. गोपाल वर्मा के 'यू-टर्न' से न्याय पर उठे सवाल..!

क्या जांच की आंच से डर गया प्रशासन या हुआ कोई बड़ा 'खेल'

संभाग पोस्ट
RNI: MPHIN/2015/60688 | जिलों से संभाग तक का सच | email:sambhagpost@gmail.com
वर्ष-9 | अंक-6 | प्रति मंगलवार, इंदौर, 8 जुलाई 2025 से 14 जुलाई 2025 | मूल्य- 2 रु. | पृष्ठ- 8
'संभाग पोस्ट' के खुलासे के बाद प्रशासन की खुली नींद
एसडीएम ने दिया जांच और कार्रवाई का आश्वासन..!
संभाग पोस्ट लगातार फर्जी परीक्षा की खबरें प्रकाशित करता आ रहा है...
संभाग पोस्ट ने अपने पिछले अंकों में इस मामले को विभिन्न पहलुओं से उजागर किया था
1. महर्षि इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट परीक्षा केंद्र 'फर्जी' और UGC/DAVV नियमों की अनदेखी
2. बाहरी व्यक्तियों का दखल और पुलिस की संदिग्ध भूमिकाः
3. महर्षि महेश वैदिक विश्वविद्यालय विवादों का गढ़, प्रशासन क्यों मौन?
महर्षि इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट कॉलेज के पास खुलेआम बिक रही अवैध शराब, पुलिस पर उठे सवाल

फर्जी परीक्षा घोटाले में जांच का वादा कर मुकरे साहब

आर.टी.आय. के तहत जानकारी देने में भी छूट रहे पसीने, आखिर किसका संरक्षण है?

SPECIAL REPORT

✍ नवीन गलकर

इंदौर। 'संभाग पोस्ट' द्वारा महर्षि इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट कॉलेज में चल रही फर्जी परीक्षाओं और अनियमितताओं के बड़े खुलासे के बाद जिस तत्परता का आश्वासन प्रशासन ने दिया था, वह अब ठंडे बस्ते में जाता दिखाई दे रहा है। क्षेत्र के एसडीएम गोपाल वर्मा जिन्होंने पहले मामले को संज्ञान में लेकर कठोर कार्रवाई और जांच का दावा किया था, आज अपने ही वादों से पलटते नजर आ रहे हैं। अब एसडीएम इस संवेदनशील मामले में कोई रुचि नहीं ले रहे हैं। आलम यह है कि जब भी शिकायतकर्ता जांच की प्रगति जानने के लिए फोन के माध्यम से संपर्क करने की कोशिश करता है, तो साहब टालमटोल वाला रवैया अपना लेते हैं।

शिकायत पर कि गई कार्यवाही की जानकारी लेने पर साहब का कहना होता है मामला क्या है मुझे जानकारी नहीं है? शिकायतकर्ता साहब को पूरा मामला बताता है तब साहब कहते हैं अच्छा में पता करता हूं। थोड़े दिन बाद शिकायतकर्ता दोबारा फोन लगाता है तब साहब का फीर वही सवाल होता है मामला क्या है? शिकायतकर्ता फिर एक बार पूरा मामला बताता है साहब फिर कहते है, अच्छा अच्छा में पता करता हूं। ऐसा बार बार होने के बाद साहब कभी व्यस्तता का बहाना तो कभी कुछ बहाना करते हैं शिकायत को नौ महीने होने के बावजूद भी साहब शिकायत का पता अभी तक नहीं लगा पाए हैं। जबकि नौ महीने में तो बच्चा भी गर्भ से बाहर आ जाता है — यह 'यू-टर्न' इशारा कर रहा है कि पर्दे के पीछे कहानी कुछ और ही है।

आखिर ऐसी क्या मजबूरी आ गई कि प्रशासन ने अचानक अपने कदम पीछे खींच लिए? क्या किसी सफेदपोश या रसूखदार का दबाव काम कर रहा है? या फिर जांच की फाइलों को दबाने के लिए कोई बड़ा 'लेन-देन' हो चुका है? जिस मामले में सीधे तौर पर छात्रों के भविष्य और शिक्षा व्यवस्था की शुचिता से खिलवाड़ हो रहा था, उसमें एसडीएम स्तर के अधिकारी का ऐसा ढुलमुल रवैया उनकी कार्यप्रणाली पर गहरा दाग लगा रहा है। भ्रष्टाचार को छिपाने का सबसे पुराना हथियार 'मौन' होता है। इस मामले की असलियत सामने लाने के लिए जब सूचना के अधिकार का सहारा लिया गया, तो प्रशासन के हाथ-पांव फूल गए। मांगी गई जानकारियों को देने के बजाय फाइलों को इधर-उधर घुमाया जा रहा है। कानून कहता है कि जानकारी देनी होगी, लेकिन इंदौर प्रशासन खुद को कानून से ऊपर मान बैठा है। सबसे ज्यादा निराशाजनक और चौंकाने वाला पहलू जिला कलेक्टर की भूमिका है। जब एस.डी.एम. कार्यालय ने जानकारी देने से मना किया, तो नियमतः प्रथम अपील कलेक्टर महोदय के समक्ष की गई। लेकिन यहाँ भी निराशा ही हाथ लगी। कलेक्टर कार्यालय ने भी इस गंभीर अपील को ठंडे बस्ते में डाल दिया। क्या कलेक्टर महोदय को अपने अधीनस्थों के इस भ्रष्टाचार की खबर नहीं है? या फिर सिस्टम पूरी तरह बिक चुका है? क्या 'ऊपर से नीचे' तक एक ऐसी चेन बनी हुई है जिसे तोड़ना नामुमकिन है?

जनता की गाढ़ी कमाई से वेतन लेने वाले अधिकारी अगर माफियाओं के 'मैनेजर' की तरह काम करेंगे, तो इंसाफ की उम्मीद किससे की जाए? 'संभाग पोस्ट' स्पष्ट कर देना चाहता है कि हमारी पत्रकारिता किसी पद, प्रतिष्ठा या रसूख की गुलाम नहीं है। हम सामान्य व्यक्ति के अधिकारों की रक्षा और समाज में पनप रही बुराइयों, भ्रष्टाचार एवं प्रशासनिक ढुलमुल रवैये के विरुद्ध लड़ने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। प्रशासन यह न समझे कि फाइलों को दबाने या सूचना के अधिकार को ठंडे बस्ते में डालने से सत्य की आवाज घुट जाएगी। शिक्षा के नाम पर 'फर्जीवाड़े का खेल' खेलने वालों और उन्हें संरक्षण देने वाले अधिकारियों का चेहरा बेनकाब करना हमारी प्राथमिकता है।

कार्यालय पताः 201, दूसरी मंजिल, इंदौर प्रेस क्लब परिसर, एम.जी. रोड, (जिला न्यायालय के सामने), इंदौर (म.प्र.),
स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक नवीन गलकर द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13 प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं ए-119, वीणा नगर, सुखलिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादकः नवीन गलकर, मो. 9009919948